

---

.. aTTAlasundarAShTakam ..

॥ अट्टालसुन्दराष्टकम् ॥

Document Information

---

Text title : aTTAlasundarAShTakam  
File name : aTTAlasundarAShTakam.itx  
Category : aShTaka  
Location : doc\_shiva  
Author : vikramapANDya  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : N.Balasubramanian bbalu at satyam.net.in  
Proofread by : N.Balasubramanian bbalu at satyam.net.in  
Description-comments : From shrIhAlAsyamAhAtmya  
Latest update : May 18, 2007  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ अट्टालसुन्दराष्टकम् ॥

विक्रमपाण्ड्य उवाच-

कल्याणाचलकोदण्डकान्तदोर्दण्डमण्डितम् ।

कवलीकृतसंसारं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ १ ॥

कालकूटप्रभाजालकळङ्कीकृतकन्धरम् ।

कलाधरं कलामौलिं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ २ ॥

कालकालं कलातीतं कलावन्तं च निष्कळम् ।

कमलापतिसंस्तुत्यं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ३ ॥

कान्तार्थं कमनीयाङ्गं करुणामृतसागरम् ।

कलिकल्मषदोषघ्नं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ४ ॥

कदम्बकाननाधीशं कांक्षितार्थसुरद्रुमम् ।

कामशासनमीशानं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ५ ॥

सृष्टानि मायया येन ब्रह्माण्डानि बहूनि च ।

रक्षितानि हतान्यन्ते कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ६ ॥

स्वभक्तजनसंताप पापापद्मङ्गतत्परम् ।

कारणं सर्वजगतां कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ७ ॥

कुलशेखरवंशोत्थभूपानां कुलदैवतम् ।

परिपूर्णं चिदानन्दं कलयेऽट्टालसुन्दरम् ॥ ८ ॥

अट्टालवीरश्रीशंभोरष्टकं वरमिष्टदम् ।

पठतां शृण्वतां सद्यस्तनोतु परमां श्रियम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीहालास्यमाहात्म्ये विक्रमपाण्ड्यकृतं अट्टालसुन्दराष्टकम् ॥

Encoded and proofread by N.Balasubramanian bbalu at satyam.net.in

